Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

प्रतिबंध के बावजूद भी खुले आम धड़ल्ले से बिक रही है पॉलीथीन

पालीथीन मंगाने वाले व्यापारियों की बनाई जा रही लिस्ट

जिम्मेदार कौन

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। पॉलीथीन मुक्त जिला बनने के बाद भी जिले में वर्तमान में एक बार फिर से पॉलीथीन का प्रयोग करते लोग दिख रहे है। बता दें कि सीमांत जनपद में गुपचुप तरीके से प्लांट से फिर पालीथीन के थैलों की खासी मात्रा में खेप पहुंच रही है। अब तक जिले में केवल प्रशासन द्वारा छापेमारी कर कोरे अभियान छेड़े जा रहे है। मगर जिले के थोक में सब्जी बेचने वाले दुकानदार, मीट मांस का कारोबार करने वाले कारोबारी व जिले के निजी होटलों में चाउमीन व अन्य कारोबार करने वाले जिले के व्वसयियों के यहां पर चोरी छुपे पॉलीथीन बेचते नजर आने लगे है।

पॉलीथीन का प्रयोग करने में आम जनमानस व दुकानदार कोई भी हिचक तक महसूस नही कर रहा है। अभी भी कई लोग पॉलीथीन

में सामान ले जाते हुए आमतौर पर देखे जा सकते है। इस बारे में प्रशासन से बात की गई तो प्रशासन द्वारा छापेमारी के कई दावे किये जाते है। मगर जिले में प्रशासन की छापेमारी का कोई खासा असर नही दिख रहा है। जब भी पॉलीथीन की खुलेआम बिक्री होने की सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाती है तो जिले के कुछ व्यापारी सजग हो जाते है। व्यापारी सजग होने के साथ अपनी ओर से रोक लगाने की मुहिम छेड़ देते है। मगर इलाके के लोग मानने को बिल्कुल तैयार नही होते है।

साल 1999 व साल 2005 में जनपद मुख्यालय मे पॉलीथीन उन्मूलन को लेकर धरातल स्तर पर विशेष अभियान चलाये गये। अभियान का खासा असर देखने को भी मिला। जिले पूरी तरह पॉलीथीन मुक्त हो गया। साल 2022 में फिर शहर में पॉलीथीन का प्रयोग जोरों पर चल रहा है।

प्रशासन से इस बारे में पहल करने को लेकर जिले का व्यापार संघ आगे आने को तैयार है। वही इस बारे में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मनोज कुमार दास ने बताया कि शहर में पॉलीथीन के बिकने की सूचना मिली है। इस मामले में अब पालिका की ओर से जिले में प्लांट से पॉलीथीन मंगाने वाले व्यापारियों की लिस्ट बनाई जा रही है। वही ऐसे व्यापारियों के खिलाफ नगर की सुन्दरता से खिलवाड़ करने संबधी अधिनियम एक्ट के तहत कारवाही व चालान की प्रक्रिया की जायेगी।

न्यूज डायरी

कागजों में ही सुधर रही पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था

संवाददाता सल्ट (रानीखेत)। पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था कागजों में ही सुधर रही है। विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय पूनाकोट में 42 बच्चे पढ़ रहे। उनका भविष्य संवारने को महज एक गुरुजी तैनात हैं। मगर उन्हें भी संकुल समन्वयक बना दिया गया है। इधर अरसे से मानक के अनुरूप अध्यापकों की नियुक्ति को मुखर अभिभावकों की नहीं सुनी गई तो उनका धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने बैठक बुलाई। एलान किया कि यदि जल्द और अध्यापक तैनात न किए गए तो वह बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर देंगे। अभिभावकों की चतावनी से अब विभाग सकते में है। झिमार (सल्ट ब्लाक) स्थित प्राथमिक विद्यालय पूनाकोट 1956 में बना था। अच्छी बुनियादी शिक्षा के कारण यहां छात्र संख्या शुरू से ही ज्यादा रही।

अतिक्रमण स्वयं हटवा लें वरना नगर निगम अपने स्तर से करेगा कार्रवाई

संवाददाता रुड़की। शहर में अतिक्रमण को लेकर नगर निगम रुड़की कड़ा रुख अपनाने जा रहा है। जल्द ही निगम अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर सकता है। इसके चलते नगर निगम ने गुरुवार को शहर के बाजारों आदि में मुनादी कराई है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि अतिक्रमण स्वयं हटवा लें वरना निगम अपने स्तर से कार्रवाई करेगा। शहर का मेन बाजार हो, सिविल लाइंस हो या फिर कोई अन्य बाजार। सभी अतिक्रमण से अटे पड़े हैं। अतिक्रमण के कारण बाजारों की स्थिति बदतर हो गई है। इसके चलते बाजारों में आएदिन जाम लगता है, जिससे क्षेत्रवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि तमाम दुकानदारों ने दुकानों का सामान सड़कों पर सजाया है, जिससे बाजारों की सड़कें संकरी हो गई हैं।

कू ऐप की बहुभाषी विशेषताओं का लाभ उठाएंगे प्रवक्ता

संवाददाता देहरादून। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के 21 जनसंपर्क अधिकारियों ने बहुभाषी माइक्रो–ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू ऐप पर अपना खाता खोला है। इस कदम से मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी को बढ़ाया है और समूचे भारत के लोगों से उनकी मूल भाषा में जुड़ने के साथ विभिन्न पहलों की अपडेट देने में सहूलियत होगी। रक्षा मंत्रालय के प्रधान प्रवक्ता के साथ, चेन्नई, गांधीनगर, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंफाल, जयपुर, जालंधर, जम्मू, कोच्चि, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पालम, पुणे, शिलांग, श्रीनगर, त्रिवेंद्रम और विजाग के जनसंपर्क अधिकारियों ने आत्म–अभिव्यक्ति के सबसे बड़े बहुभाषी सोशल मीडिया मंच कू ऐप पर अलग–अलग अकाउंट खोले हैं।

बिल जमा नहीं करने पर काटी सीएमओ दफ्तर की बिजली

संवाददाता अल्मोड़ा। बिजली के बकाया बिलों का भुगतान नहीं करने पर पांडेखोला स्थित मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का बिजली कनेक्शन काट दिया गया है। इससे विद्युत बिलों के बकाया वाले विभागों में हड़कंप मचा है। इन दिनों ऊर्जा निगम वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बकाया विद्युत बिलों की वसूली के लिए अभियान चलाए हुए है। 5.50 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 4.50 करोड़ की वसूली ही विभाग की ओर से की गई है।

वर्तमान में विद्युत वितरण खंड के दो सब डिविजन नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं। दोनों डिविजनों में करीब 70 हजार उपभोक्ता हैं। सामान्य उपभोक्ता तो अपने बिलों का भुगतान कर देते हैं। वहीं सरकारी विभागों ने कई महीनों से बिलों का भुगतान नहीं किया है। निगम की ओर से कई दिन पूर्व विभागों को बिल जमा करने के लिए नोटिस भी भेजे। इसी क्रम में गुरुवार को चार माह का बिजली बिल जमा नहीं करने पर ऊर्जा निगम की ओर से मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का विद्युत संयोजन काट दिया गया है। निगम के निर्देशों के तहत अभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को इससे मुक्त रखा गया है।

इधर गुरुवार को भी ऊर्जा निगम के कर्मचारियों की ओर से नगरीय व शहरी क्षेत्र में बकाया बिजली के बिलों के लिए वसूली अभियान चलाया। ऊर्जा निगम उपभोक्ताओं के बेहतर हितों के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्हें बार–बार रोस्टिग व लो वोल्टेज की समस्या से नहीं जूझना पड़े।

वर्षा जल संचयन से भूजल स्तर में सुधार का प्रयास

संवाददाता रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की ने कस्तूरबा भवन और जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन (डब्ल्यूआरडीएम) विभाग में प्रदर्शन इकाइयों (डेमोंस्ट्रेशन यूनिट्स) के रूप में और संस्थान में जागरूकता पैदा करने के लिए कई रेनवाटर हार्वेस्टिग सिस्टम्स (आरडब्ल्यूएच) स्थापित किए हैं। संस्थान ने चार स्थापित माडलों जैसे आरडब्ल्यूएच–रिचार्ज, आरडब्ल्यूएच–स्टोरेज, रिचार्ज शाफ्ट एवं रिचार्ज पिट का उपयोग कर आरडब्ल्यूएच और स्टार्मवाटर मैनेजमेंट में शामिल विभिन्न प्रकार की तकनीकों का प्रदर्शन किया है।

सूखे से प्रभावित फसलों को कम आंकलन कर रिपोर्ट पर किसानों में भारी आक्रोश

संवाददाता पुरोला। रंवाघाटी घाटी क्षेत्र में नगदी फसल मटर के सूखे की चपेट में आने पर किसानों ने प्रशासन को सही आकलन कर रिपोर्ट भेजने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन पर किसानों ने प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उच्च स्तर पर सूखा प्रभावित फसलों की रिपोर्ट मांगी गई थी जिसमे पुरोला क्षेत्र के रामा सिराईं व कमल सिराईं क्षेत्र में उत्पादित मटर को लेकर राजस्व प्रशासन ने कुछ दिन पहले रिपोर्ट भेजी जिसमे केवल सूखे से प्रभावित 5 प्रतिशत फसल दिखाई गई है जबकि मटर की पूरी फसल सूखे की चपेट में आ

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर आंदोलन की दी चेतावनी

गयी है वर्तमान तक 60 प्रतिशत से भी अधिक फसल बर्बाद हो गयी है। ज्ञापन में किसानों ने राजस्व प्रशासन पर आक्रोश व्यक्त करते हुए मांग की है कि सूखे की चपेट में आई फसल का उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर दुबारा रिपोर्ट बनाई जानी चाहिए ताकि किसानों के साथ अन्याय न हो उन्होंने कहा कि पिछले 3 माह से बारिश नही हो रही है जिसके चलते मटर की फसल लगभग पूरी सूख गई है।

ज्ञापन में किसानों ने कहा कि यदि मटर की फसल का सही सही आकलन कर सासन को रिपोर्ट नही भेजी गई तो क्षेत्र के गांव गांव से किसान शासन–प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे।किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से यह भी अवगत करवाया कि केसीसी ऋण में किसानों से फसली बीमा करवाया जाता है लेकिन फसलों के खराब होने पर वह न तो समय से आता है और न ही पूरे बीमें की राशि मिलती है कई बार अपने जेब से और भी रुपये जमा करना पड़ता है।

ज्ञापन देने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा अमीचन्द शाह,राजपाल पंवार,नवीन गैरोला,भगवान सिंह शर्मा, बलवीर चंद,प्रेम लाल,हरीश कुमार,दयाराम,लक्ष्मण,सोबेन्द्र सिंह,अमीन सिंह,धीरज सिंह,भजन सिंह,धनवीर,लायबर सिंह,प्रवेश सिंह व प्रेम सिंह सहित दर्जनों किसान शामिल थे।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का बागेश्वर में प्रदर्शन

संवाददाता बागेश्वर। जिला कांग्रेस कमेटी ने महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं। जिससे गरीब परिवारों के सामने संकट पैदा हो गया है। ईंधन बढ़ने से अन्य वस्तुएं भी आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई हैं। उन्होंने महंगाई पर लगाम नहीं लगने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। गुरुवार को महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत कांग्रेसी पार्टी कार्यालय पर एकत्र हुए। गरुड़–कौसानी मोटर मार्ग के टैक्सी स्टैंड के समीप प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महंगाई चरम पर पहुंच गई है। ईंधन के दाम बढ़ने से अन्य वस्तुएं भी महंगी हो गईं हैं। जिसके कारण गरीब लोगों के घरों में चूल्हा जल पाना मुश्किल हो गया है। बेरोजगारी के कारण युवा वर्ग पहले से परेशान है। ऊपर से महंगाई ने उन्हें दिक्कत में डाल दिया है।